वार्षिक पाठ्यक्रमः सत्र 2018–19

कक्षा – सात विषय : हिन्दी

(प्रतिभा समूह)

प्रथम सत्र (अप्रैल 2018 से सितम्बर 2018 तक)

विषयवस्तु	अधिगम–संप्राप्ति
बसंत 1. **हम पक्षी उन्मुक्त गगन के** (कविता) शिवमंगल सिंह सुमन	• उचित आरोह–अवरोह, लय और भाव के साथ कविता का सस्वर वाचन करते हैं। कविता के सौंदर्य पक्ष को समझते हैं। उसमें निहित मूलभाव को समझते हैं। अपने आसपास के वातावरण और जीव–जंतुओं का विश्लेषण और संरक्षण सक्रिय रूप से करते हैं। • सुनी हुई कविताओं ,घटनाओं इत्यादि पर आपस में चर्चा करते हैं|
2. **दादी माँ** (कहानी) शिवप्रसाद सिंह	• कहानी का उचित आरोह–अवरोह के साथ भावानुकूल वाचन करते हैं। कहानी के विभिन्न पात्रों, घटनाओं और स्थितियों को समझकर तथा उससे संबद्ध होकर अपनी कल्पना का विकास करते हैं। जीव–जंतुओं के प्रति बालसुलभ करूणा, दया और संरक्षण को नैतिक द्वंद्वों को विश्लेषित करते हुए अपने निष्कर्ष की ओर बढ़ते हैं। • चित्र को ध्यान से देखकर उसके बारे में बातचीत करते हैं।
3. **हिमालय की बेटियाँ** (निबंध) नागार्जुन	• निबधं के मूल कथ्य को समझते हैं। हिमालय और इससे निकलनेवाले नदियों के सम्बन्ध में विभिन्न प्रकार की जानकारी प्राप्त करते हैं| नदियों की उपयोगिता और महत्त्व पर चर्चा करते हैं| विभिन्न नदियों के नाम जानते हैं| • अपनी पसंद की किताबों और अन्य लिखित सामग्री को स्वयं चुनकर पढ़ने की कोशिश करते हैं।

4. **कठपुतली** (कविता) भवानीप्रसाद मिश्र	● उचित आरोह–अवरोह, लय और भाव के साथ कविता का सस्वर वाचन करते हैं। कविता के सौंदर्य पक्ष को समझते हैं। उसमें निहित मूलभाव को समझते हैं। अपने आसपास के वातावरण और जीव–जंतुओं का विश्लेषण और संरक्षण सक्रिय रूप से करते हैं। ● अपनी कल्पना से अपने स्तर के अनुसार कविता, कहानी आदि कहते हैं और उसे आगे बढ़ा सकते हैं।
5. **मिठाईवाला** (कहानी) भगवती प्रसाद बाजपेई	● कहानी का उचित आरोह–अवरोह के साथ भावानुकूल वाचन करते हैं। कहानी के विभिन्न पात्रों, घटनाओं और स्थितियों को समझकर तथा उससे संबद्ध होकर अपनी कल्पना का विकास करते हैं। जीव–जंतुओं के प्रति बालसुलभ करूणा, दया और संरक्षण को नैतिक द्वंद्वों को विश्लेषित करते हुए अपने निष्कर्ष की ओर बढ़ते हैं। ● कहानी, कविता आदि को उचित हाव–भाव के साथ सुनते–सुनाते हैं।
● **फेरीवालों की आवाजें** (केवल पढने के लिए)	● अपने आसपास होने वाली घटनाओं और अपने अनुभवों के विषय में बातचीत करते हैं और सवाल पूछते हैं।
6. **रक्त और हमारा शरीर** (निबंध) यतीश अग्रवाल	● रक्त और उसके कार्य को समझते हैं| शरीर की संरचना और रक्त के प्रवाह के बारे में बताते हैं|
7. पापा खो गए (मराठी नाटक) विजय तेंदुलकर	● नाटक का यथोचित आरोह–अवरोह के साथ पात्रानुकूल और भावानुकूल वाचन करते हैं। नाटक के मूल कथ्य को अपने जीवन और अनुभवों से जोड़कर देखते हैं। नाटक का कक्षा में अभिनय करते हैं।
8. शाम एक किसान (कविता) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना	● उचित आरोह–अवरोह, लय और भाव के साथ कविता का सस्वर वाचन करते हैं। कविता के सौंदर्य पक्ष को समझते हैं। उसमें निहित मूलभाव को समझते हैं। अपने आसपास के वातावरण और प्रकृति का विश्लेषण और संरक्षण सक्रिय रूप से करते हैं।
9. **चिड़िया की बच्ची** (कहानी) जैनेन्द्र कुमार	● कहानी का उचित आरोह–अवरोह के साथ भावानुकूल वाचन करते हैं। कहानी के विभिन्न पात्रों, घटनाओं और स्थितियों को समझकर तथा उससे संबद्ध होकर अपनी कल्पना का विकास करते

	हैं। सामाजिक विषमताओं से परिचित होते हैं एवं अनुकूल निर्णय लेते हैं|
10. **अपूर्व अनुभव** (जापानी संस्मरण) तेत्सुको कुरियानागी	• संस्मरण का उचित आरोह–अवरोह और भावानुकूल वाचन करते हैं। लेखिका के बचपन के साथ स्वयं के बचपन को जोड़कर देखते हैं, समझते हैं और विश्लेषण करते हैं। अपने जीवन से संबंधित महत्वपूर्ण रोचक अथवा किसी भी अन्य प्रसंग पर लिखने और बोलने का प्रयास करते हैं।
बाल महाभारत अध्याय 1 से 20 तक	• पुस्तक का वाचन करते हैं| • पौराणिक कथाओं से परिचित होते हैं| • पौराणिक कथाओं में वर्णित बिन्दुओं पर चर्चा करते हैं| • तत्सम शब्दावली से परिचित होते हैं|
व्याकरण • वर्णमाला • भाषा और लिपि • संज्ञा-परिभाषा एवं प्रकार • सर्वनाम-परिभाषा एवं प्रकार • विशेषण-परिभाषा एवं प्रकार • विलोम शब्द • लिंग • वचन • पाठ्यपुस्तक में वर्णित अन्य व्याकरणिक बिंदु	• हिंदी वर्णमाला ओर मात्राओं का उचित प्रयोग करते हैं। • भाषा और लिपि की सामान्य परिभाषा जानकर दिल्ली में प्रयुक्त प्रमुख लिपियों और भाषाओं के नाम जानते हैं। • संज्ञा की परिभाषा का बोध करते हुए अपनी पाठ्यपुस्तक में व्यक्तिवाचक और जातिवाचक संज्ञा की पहचान करते हैं। • सर्वनाम की परिभाषा का सामान्य बोध और अपनी भाषिक प्रयुक्ति में इसके महत्व को समझकर प्रयोग करते हैं। विभिन्न सार्वनामिक कोटियों की पहचान करते हुए अपनी अभिव्यक्ति में इनका यथोचित प्रयोग करते हैं। • विशेषण की परिभाषा का सामान्य बोध और अपनी भाषिक प्रयुक्ति में इसके महत्व को समझकर प्रयोग करते हैं। विशेषणों की पहचान करते हुए अपनी अभिव्यक्ति में इनका यथोचित प्रयोग करते हैं। • विलोम शब्द का बोध करते हुए अपनी अभिव्यक्ति में उसका उचित प्रयोग करते हैं। • लिंग एवं वचन

निबंध	• अपनी रूचि एवं समझ के आधार पर स्वयं को सहज और क्रमिक रूप से अभिव्यक्त करते हैं। अपनी अभिव्यक्ति को संदर्भ और प्रसंग के अनुसार संबद्ध करके मानक भाषा में लेखन करते हैं। अपने सहज विश्लेषण के आधार पर समसामयिक विषयों से संबंधित सामान्य विषयों पर स्वयं को सहजतापूर्वक अभिव्यक्त करते हैं। • स्वतंत्रता दिवस, मेरे प्रिय व्यक्ति, वृक्षारोपण साथ ही विद्यार्थी के स्तर को देखते हुए शिक्षक सम–सामयिक विषयों पर निबंध लेखन कराएँ।
पत्र **(**औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्र)	• प्रधानाचार्य को फीसमाफी/खेलकूद का सामान उपलब्ध कराने हेतु • औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों के अंतर को समझते हैं। • औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्रों के प्रारूप को समझकर उनसे संबंधित सामान्य निर्देशों का पालन करते हैं। • अपनी आवश्यकता, रूचि और कल्पना के आधार पर विभिन्न विषयों पर पत्र लिखते हैं। • अपने घर–परिवार, रिश्तेदार तथा अन्य स्वजनों को उनके जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों पर पत्र लेखन के माध्यम से शुभकामना अथवा अन्य बधाई संदेश देते हैं। • अपनी भावनाओं और रागात्मक संबंधों को सहज रूप से अभिव्यक्त करते हैं।

पुनरावृति
मध्यावधि परीक्षा

द्वितीय सत्र (अक्टूबर 2018 से मार्च 2019 तक)

विषयवस्तु	अधिगम–संप्राप्ति
बसंत 11. **रहीम के दोहे** (कविता) रहीम	• उचित आरोह–अवरोह, लय और भाव के साथ कविता का सस्वर वाचन करते हैं। कविता के भाव/सौंदर्य पक्ष को समझते हैं। उसमें निहित मूलभाव को समझते हैं।

12. **कंचा** (मलयालम कहानी) टी. पद्मनाभन	• पाठ्यवस्तु को पढ़कर उसकी बारीकी से जाँच करते हुए विशेष बिंदु को खोजते, अनुमान लगाते और निष्कर्ष निकालते हैं।
13. **एक तिनका** (कविता) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔंध'	• उचित आरोह–अवरोह, लय और भाव के साथ कविता का सस्वर वाचन करते हैं। कविता के भाव/सौंदर्य पक्ष को समझते हैं। उसमें निहित मूलभाव को समझते हैं।
14. **खान–पान की बदलती तसवीर** (निबंध) प्रयाग शुक्ल	• विभिन्न भौगोलिक परिवेश में खान-पान की विविधता के बारे में बताते हैं। सामाजिक संरचना में खान-पान के बदलते स्वरुप पर चर्चा करते हैं।
15. **नीलकंठ** (रेखाचित्र) महादेवी वर्मा	• रेखाचित्र का उचित आरोह–अवरोह और भावानुकूल वाचन करते हैं। लेखिका के साथ स्वयं को जोड़कर देखते हैं, समझते हैं और विश्लेषण करते हैं। अपने जीवन से संबंधित महत्वपूर्ण रोचक अथवा किसी भी अन्य प्रसंग पर लिखने और बोलने का प्रयास करते हैं। • पढ़ी हुई सामग्री पर बेहतर समझ के लिए स्वयं के प्रश्न बनाते और पूछते हैं।
16. भोर और बरखा (कविता) मीराबाई	• उचित आरोह–अवरोह, लय और भाव के साथ कविता का सस्वर वाचन करते हैं। कविता के भाव/सौंदर्य पक्ष को समझते हैं। उसमें निहित मूलभाव को समझते हैं।
17. वीर कुँवर सिंह (जीवनी) विभागीय	• जीवनी विधा से परिचित होते हैं। वीर कुंवर सिंह के भारतीय स्वाधीनता संग्राम में योगदान को बता सकते है। उनके व्यक्तित्व और देशभक्ति की भावना से प्रेरित होते हैं।

18. **संघर्ष के कारण मैं तुनुक मिजाज हो गया** (साक्षात्कार) विनीता पाण्डेय • **हमारी ख्वाहिश** (केवल पढने के लिए) रामप्रसाद बिस्मिल	• साक्षात्कार विधा से परिचित होते हैं| धनराज पिल्लै के भारतीय हॉकी में योगदान को बता सकते है| उनके व्यक्तित्व और खेल की भावना से प्रेरित होते हैं|
19. **आश्रम का अनुमानित व्यय** (लेखा-जोखा) मोहनदास करमचंद गांधी	• लेखा-जोखा विधा से परिचित होते हैं| साबरमती आश्रम के आमदनी और खर्चे के बारे में बताते हैं| स्वयं किसी भी कार्य हेतु अनुमानित लेखा-जोखा बताते है|
20. **विप्लव–गायन** (कविता) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'	• उचित आरोह–अवरोह, लय और भाव के साथ कविता का सस्वर वाचन करते हैं। कविता के भाव/सौंदर्य पक्ष को समझते हैं। उसमें निहित मूलभाव को समझते हैं।
व्याकरण 1. तत्सम और तद्भव शब्द 2. उपसर्ग एवं प्रत्यय 3. मुहावरे **4.** लोकोक्तियाँ	1. हिंदी भाषा और साहित्य तथा अपनी भाषिक अभिव्यक्ति में तत्सम, तद्भव शब्द, उपसर्ग–प्रत्यय तथा मुहावरे और लोकाक्तियों का महत्व समझता है। 2. अपनी पाठ्यपुस्तक में प्रयुक्त तत्सम–तद्भव, उपसर्ग–प्रत्यय तथा मुहावरे और लोकोक्तियों की पहचान करते हुए अपनी भाषिक अभिव्यक्ति में उनका उचित प्रयोग करता है।

निबंध • गणतंत्र दिवस • आपका प्रिय त्यौहार • समय का महत्व • मेरा विद्यालय एवं अन्य समसामयिक विषयों पर	नोट– **प्रथम सत्र** से दादी माँ, कठपुतली, मिठाईवाला और लिंग, वचन, पर्यायवाची शब्द से द्वितीय सत्र में प्रश्न पूछे जाएँगे।
पत्र • स्वास्थ्य अधिकारी को मुहल्ले की सफाई हेतु • दिल्ली जल बोर्ड को शुद्ध पानी उपलब्ध कराने हेतु, इसी तरह के अन्य पत्र का अभ्यास	

पुनरावृति
वार्षिक परीक्षा